आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई
2023

एसएचजी/नाम	:	वणु महादेव स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	ठारु
एफटीयू/रेंज	:	धर्मशाला
डीएमयू/मंडल	:	धर्मशाला
एफसीसीयू / सर्कल	:	धर्मशाला

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू धर्मशाला, एफटीयू धर्मशाला और धर्मशाला एसएचजी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	7-8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चे की जानकारी	12-13
उत्पाद्न की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भू भाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारह मासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसकाआबादी घनत्व काफी है ।

कांगड़ा जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, कांगड़ा जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते बिलासपुर, मंडी, हमीरपुर एवं चम्बा जिलों से जोड़ते है ।

कांगड़ा जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।जिसमे पोंग बाँध का निर्माण किया गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

ठारु वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " वणु महादेव "समान रूचि समूह, कटाई, सिलाई और बुनाई से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए दल जिसमें बबिता, विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल धर्मशाला, श्री मनोहर लाल सेवानिवृत्त हि प्र व से शामिल रहे और दिनेश शर्मा वन मंडल अधिकारी द्वारा विशेष रूचि एवं योगदान के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

ठारु वन ग्रामीण विकास समिति:-

ठारु ग्रामीण वन विकास समिति राजस्व मुहाल ठारु का हिस्सा है और वन विकास समिति ठारु का गठन ग्राम पंचायत ठारु मे किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा जिले के धर्मशाला ब्लॉक में स्थित है और 32°14'01.9" उत्तर अक्षांश- 76°18'28.2" पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। ठारु ग्रामीण वन विकास समिति धर्मशाला वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में धर्मशाला वन रेंज के अंतर्गत धर्मशाला ब्लॉक के ठारु बीट के अंतर्गत आता है ।

ग्रामीण वन विकास समिति कीमहत्वपूर्ण विशेषताएं:-

परिवारों की संख्या	103
बीपीएल परिवार	12 =12%
कुल जनसंख्या	336

स्वयं सहायता समुहका विवरण

वणु महादेव स्वयं सहायता समुह का गठन दिसंबर 2022 में ठारु वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार में सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं। वणु महादेव स्वयं सहायता समुह महिला समूह (बीस महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 20 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह प्रति सदस्य है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

समूह के सदस्य फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर जय देवी के साथ

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमति कामनी	सदस्य	Gen	52	दसवीं	9418721247
2.	" भानु वाला	सदस्य	Gen	50	दसवीं	9015151955
3.	चन्द्र कान्ता	कोषाध्यक्ष	Gen	60	10th	6283018830
4.	सारवी	सचिव	Gen.	34	दसवीं	8352006055
5.	वीना देवी	सदस्य	Gen	48	5th	9805590965
6.	अनीता देवी	सदस्य	Gen	27	10+2	7018731591
7.	अरुणा देवी	सदस्य	Gen	49	आठ	9625465937
8.	रीना देवी	सदस्य	Gen	20	+2	8544718589
9.	करुणा देवी	प्रधान	Gen	62	10th	9817768607
10.	सुनीता देवी	सदस्य	Gen	47	05	8894196877
11.	भानु	सदस्य	Gen	42	दसवीं	8627891514
12.	चन्द्रा देवी	सदस्य	Gen	49	5th	7580047290
13.	चन्द्रा देवी	सदस्य	Gen.	48	5th	9625062464
14.	सजना देवी	सदस्य	Gen	50	दसवीं	7876859410
15.	रेखा देवी	सदस्य	S.C	50	5th	7018824639
16.	नीलमा देवी	सदस्य	Gen	31	8th	7807071464
17.	कविता राणा	सदस्य	Gen	30	+2	8894891549
18.	केसरी देवी	सदस्य	Gen	51	10+2	9625104765.
19,	स्वर्णा	सदस्य	Gen	41	10+2	9805676151
20,	[illegible] देवी तृप्ता	सदस्य	Gen.	42	10+2	8988385366

वणु महादेव स्वयं सहायता समूह

एसएचजी का नाम	::	वणु महादेव
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	ठारु
परिक्षेत्र	::	धर्मशाला
वन मण्डल	::	धर्मशाला
गांव	::	ठारु
वन खंड	::	धर्मशाला
ज़िला	::	कांगड़ा
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	20
गठन की तिथि	::	दिसंबर 2022
बैंक का नाम और विवरण	::	Himachal Pardesh Gramin Bank Charri
बैंक खाता संख्या	::	87751300001196
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.50/-माह
कुल बचत	::	3000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	32 किमी
मेन रोड से दूर	: :	02 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 50 से 100 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूसरे बाज़ार का नाम	:	धर्मशाला 13 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	धर्मशाला 13 किमी, चडी 3 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	धर्मशाला, चडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिमकड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरे सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी इसलिएइस गतिविधीको समूह ने चुना।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – ठारु
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	06	8000	48000
इंटरलॉक मशीन	5	6000	30000
दर्जी कैंची	02	400	800
सिलाई रूलर (फीता) सेट	01	600	600
सिलाई दर्जी Tape	2	100	200
आयरन प्रेस	1	1000	1000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**80600**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल	**8850**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8850)	28650
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	80600	60450	20150
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**138400**	**110450**	**27950**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगतलागतका75 % मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जायेगी	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधीस्वेटर एवं जुराब बुनाईहै क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशनके समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

वणु महादेव स्वयं सहायता समूह

द्वारा

स्वेटर एवं जुराब बुनाई

कार्यकारी सारांश

स्वेटर एवं जुराब बुनाई उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगो को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वेटर एवं जुराब उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजिविका मे सुधार ला सकते है। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय मे पर्याप्त बढ़ोतरी कर सकते है। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिये प्रशिक्षण और उनत किस्म मशीने समूह को अनुदान पर प्रदान की जायेंगी। जिस से समूह के अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय मे तैयार कर सकते है और अधिक आय अर्जित कर सकते है ।

[kpksZa dh tkudkjh % &

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
धागा रोलर	12	6000	72000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	14	50000	700000
छोटी कैंची	11	150	1650
कुल पूंजीगत लागत =			**773650**

आवर्ती लागत				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मुरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				**65200**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	65200
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	**65900**

उत्पादन की लाग्त (प्रतिमाह)

एक सदस्य द्वारा एक माह मे औसत उत्पादन स्वेटर = 8 न0
(यदि प्रतिदिन 3-4 घंटे कार्य किया जाये)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वेटर = 130 u0

एक सदस्य द्वारा एक माह मे औसत उत्पादन जुराब = 15 न0 जोडी

(यदि प्रतिदिन 3-4 घंटे कार्य किया जाये)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न0 जोडी

130 न0 स्वेटर के लिये ऊन की आवश्यकता =78 कि0 ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 रुपये

240 जोडी जुराबो के लिये ऊन के धागे आवश्यकता = 24 कि0 ग्राम

जुराब के धागे का बाजार मूल्य = 9600 रुपये

आय प्रति माह

एक माह मे समूह का औसत उत्पादन स्वेटर = 130 न0

एक स्वेटर का औसतन बाजार मूल्य = 800 रुपये

समूह की औसत आय =104300 रुपये

एक माह मे समूह औसत उत्पादन जुराब = 240 न0 जोडी

एक जुराब का औसतन बाजार मूल्य = 150 रुपये

समूह की औसत आय = 36000 रुपये

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय – औसत लागत
=(104000+36000)-(54600+9600)
= 75800 रुपये
लाभ प्रति माह

लाभ प्रति माह प्रति सदस्य   = 9475 रुपये
इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	773650	580238	193412
कुल आवर्ती लागत	65200	0	65200
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**888850**	**630238**	**258612**

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 80600/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =88400/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 773650/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 838850/-

व्यवसाय योजनाका कुल योग रु. केवल 927250/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	80600	7800	60450	27950	88400
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	773650	65200	580238	258612	838850
	कुल	**854250**	**73000**	**640688**	**286562**	**927250**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बुनाई और सिलाई) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमति कामनी शर्मा	सदस्य	Gen	52	[illegible]
2.	" अनु बाला	सदस्य	Gen	50	[illegible]
3.	चन्द्र कान्ता	कोषाध्यक्ष	Gen	60.	चन्द्रकान्ता
4.	राखी	सैक्रेटरी	Gen	34	Rakhi
5.	वीना देवी	सदस्य	Gen	48	Veena Devi
6.	अनीता देवी	सदस्य	Gen	27	Anita
7.	अरुणा देवी	सदस्य	Gen	49	अरुणा देवी
8.	रीना देवी	सदस्य	Gen.	20	रीना देवी
9.	कृष्णा देवी	प्रधान	Gen	62.	Krishna Devi
10.	सुनीता देवी	सदस्य	Gen	47	सुनीता देवी
11.	शानू	सदस्य	Gen	42	Shanu
12.	इन्द्रा देवी	सदस्य	Gen	49	इन्दिरा देवी
13.	इन्द्रा देवी	सदस्य	Gen		इन्दरा देवी
14.	संजना देवी	सदस्य	Gen	50	Sanjana Devi
15.	रेखा देवी	सदस्य	S.C.	50	रेखा देवी
16.	नीलमा देवी	सदस्य	Gen	31	नीलमा देवी
17	कविता राणा	सदस्य	Gen	30	Kavita Rana
18.	केसरी देवी	सदस्य	Gen	51	Kesari Devi
19.	स्वर्णा	सदस्य	Gen	41	Swarna Devi
20.	तृप्ता देवी	सदस्य	Gen.	42	[illegible] Devi

हस्ताक्षर Rakhi
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर Krishna Devi
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

Range ...
Dharamshala range
Dharamshala forest division

Divisional Forest Officer
Forest Division
Dharamshala
डीएफओ ... अधिकृत

Chief Conservator of Forests
Dharamshala Forests Circle